राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

IX Class Hindi Second Language

सुगंध-1

FREE

कक्षा - 9

द्वितीय भाषा-हिंदी

IX Class Hindi Second Language

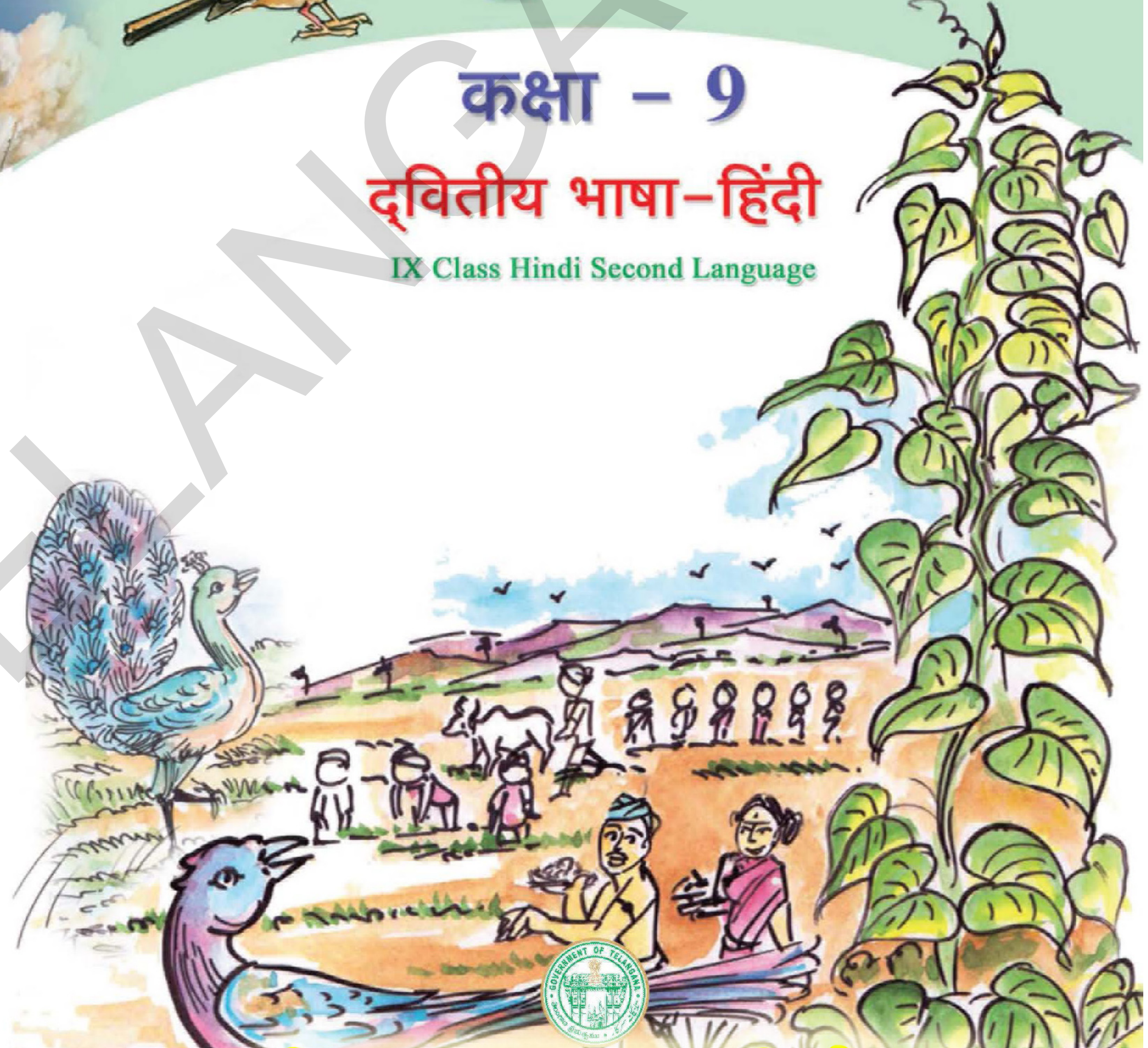

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

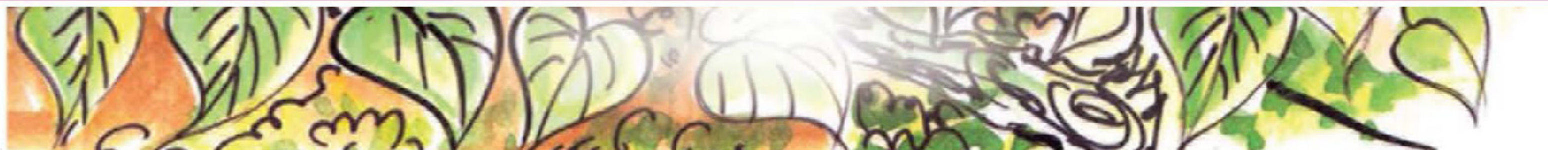

SCERT TELANGANA

शिक्षा का सूरज है निकला,
हो रहा है अब उजाला,
आँखें खोलो।
हमको भी है लिखना-पढ़ना,
हमको भी है आगे बढ़ना,
तुम भी बोलो।
जो नहीं पढ़ सकता उसके सामने जैसे
अँधेरा है,
जो नहीं पढ़ सकता उसको एक मजबूरी ने
घेरा है,
इनकी ये मजबूरियाँ शिक्षा मिटा देगी,
उन्नति के रास्ते शिक्षा दिखा देगी,
उम्र चाहे जो भी हो,
मैं कहूँ और तुम कहो,
कभी भी, कहीं भी
हमको पढ़ना है,
आगे बढ़ना है।

साक्षर भारत

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें।

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखें।

(घ) देश की रक्षा करें और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करें।

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों।

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें।

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करें और उसका संवर्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें।

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहें।

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करें, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सकें।

तेलंगाणा सरकार

महिला एवं शिशु कल्याण विभाग - चाइल्डलाइन फाउंडेशन

पाठशाला में अथवा पाठशाला के बाहर प्रताड़नाओं का शिकार हो रहे

संकटों, दुखों में फँसे बच्चों की रक्षा के लिए

चाइल्ड लाइन 1098 रात व दिन 24 घंटे राष्ट्रीय हेल्पलाइन

बच्चों से काम करवाने, उन्हें पाठशाला न भेजकर दूसरे कार्यक्रमों में उपयोग करने पर

परिवार के सदस्यों अथवा परिजनों द्वारा आपत्तिजनक दुर्व्यवहार करने पर

1098 (दस...नौ...आठ) निशुल्क दूरभाष सेवा की सुविधा पर फोन कर सकते हैं।

SCERT TELANGANA

सुगंध -1

कक्षा -9 हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class-IX Hindi (Second Language)

संपादक

प्रो. टी.वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ. अनीता गांगुली
सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

विषय विशेषज्ञ

श्री सुवर्ण विनायक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री
भारतीय भाषा आधार पत्र संपादक,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

समन्वयक

श्री सय्यद मतीन अहमद
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

श्री ए. सत्यनारायण रेड्डी
निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
अध्यक्ष, सीएंडटी, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

श्री बी. सुधाकर
निदेशक, सरकारी पाठ्यपुस्तक प्रेस, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S
(सलाहकार लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना)
निदेशक, ACB तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से बढ़ें।
विनय से रहें।

क़ानून का आदर करें।
अधिकार प्राप्त करें।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana, Hyderabad

First Published 2013
New Impressions 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by Telangana Government 2020-21

Printed in India
at the Telangana State Govt.Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

SCERT TELANGANA

आमुख

तेलंगाणा राज्य में हिंदी भाषा शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते हैं। साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी का ज्ञान कराना है। छठवीं कक्षा से हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्देश्य रहे हैं। सातवीं कक्षा के स्तर पर सुनना,बोलना कौशलों में छात्रों को सक्षम बनाने का प्रयास किया गया है। आठवीं कक्षा के स्तर पर पठन व लेखन के साथ-साथ सृजनात्मकता में सक्षम बनाने के अनुरूप पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है।

इस पाठ्य-पुस्तक में गीत, कविताएँ, कहानियाँ, भाषण लेख, साक्षात्कार, समीक्षा, पत्र, निबंध आदि के साथ-साथ रोचक द्रुत पाठ भी दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्वारा छात्रों में, सोच-विचार कर उत्तर देना, तुलना कर निष्कर्ष निकालना और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजन के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना करते हैं। ये अभ्यास सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

पाठशाला शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित विद्यालयीन पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना संबंधित मुद्दों को जोड़ा गया है। यूनिसेफ के समर्थन से बच्चों की सुरक्षा को आश्वस्त करने के लिए भिन्न-भिन्न हस्तक्षेपों जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, बाल लैंगिक प्रताड़ना, आत्मविश्वास, जीवन कौशल के क्षेत्रों में बाल सुरक्षा व्यवस्था तथा बाल सुरक्षा नियमों की सावधानी बरती गयी है।

अतः अध्यापकों को चाहिए कि इन विषयों के संबंध में अनिवार्य जानकारी रखें और छात्रों एवं उनसे जुड़े समुदायों तक पहुँचाएँ।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद विद्या भवन संदर्भ केंद्र के संसाधक गण श्री कुमार अनुपम एवं प्रदीप कुमार झा के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है। उन समस्त रचनाकारों के प्रति भी आभार व्यक्त करता है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं। इसके निर्माण में सहयोग देने के लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, उप विद्याधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों को धन्यवाद। इस पाठ्यपुस्तक के विकास के लिए भाषाविदों, अध्यापकों, अभिभावकों और छात्रों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं, जो एन.सी.एफ. - 2005 के अनुरूप हो।

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

अध्यापकों से

- इस पाठ्य-पुस्तक में 12 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
- इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं और उच्चतम बौद्धिक कौशलों (HOTS) का विकास करने पर ध्यान दें।
- पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र (उन्मुखीकरण चित्र) से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से छात्रों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर छात्रों को विविध दृष्टिकोण से सोचने का अवसर दें।
- पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र (उन्मुखीकरण चित्र) से आरंभ हुआ है। इससे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें।
- हर पाठ के अभ्यास में अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया, अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता व भाषा की बात अभ्यास दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर छात्रों में शैक्षिक मापदंडों का समुचित विकास करें। कविता, गीत, पद्य, वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
- सी.सी.ई. (सतत् समग्र मूल्यांकन) को ध्यान में रखते हुए दक्षताओं का विकास करें।
- इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
- यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
- हर इकाई में एक द्रुत पाठ भी दिया गया है। छात्र इस पाठ का पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकें। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
- विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे छात्र आदर्श नागरिक बन सकें और अपने भावी जीवन का निर्माण कर सकें।
- पाठ्यपुस्तक एक साधन मात्र है, साध्य नहीं। इस के द्वारा छात्रों को विविध संचार माध्यमों से जोड़ने का प्रयास करें।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

छात्र अनिवार्य रूप से निम्नलिखित दक्षताएँ प्राप्त करें -

1. अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

* पद्य, गीत, कविता, वार्तालाप आदि सुनकर समझ सकें। अपने शब्दों में कह सकें।
* संबंधित अंशों के कारण बता सकें।
* पद्य, गीत धाराप्रवाह के साथ गा सकें। सारांश अथवा भाव अपने शब्दों में लिख सकें।
* अपठित अंश पढ़कर अर्थगहण कर सकें।
* पाठ्यांश के आधार पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट रूप से दे सकें।
* सूचित अंश का शीर्षक दे सकें। अलग-अलग अंशों में क्रमिकता बता सकें।

2. अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

* पाठ्यांश की घटनाओं, अंशों, पात्रों, स्थानों, विषयों के बारे में समझकर अपने शब्दों में लिख सकें।
* अधूरे विषय, कहानी, कविता आगे बढ़ा सकें।
* अलग-अलग घटनाओं में स्वयं को रखकर घटना आगे बढ़ा सकें।
* शब्दों का विविध संदर्भों में सही पद्धति में वाक्य प्रयोग कर सकें।
* पर्याय शब्दों के अर्थ ग्रहण कर दैनिक जीवन में उपयोग कर सकें।
* भाषा खेल, वर्ग पहेली आदि की सहायता से शब्द लिख सकें।
* पद्य या गद्य को एक विधा से दूसरी विधा में बदल सकें।
* निमंत्रण, बधाई पत्र, दीवार पत्रिका आदि तैयार कर सकें।
* चित्र देखकर वर्णन कर सकें।
* कवि या लेखकों की रचनाओं की प्रशंसा कर सकें।
* प्रेरणा देने वाले किसी भी अंश की लिंग, धर्म, वर्ग भेद रहित प्रशंसा कर सकें।
* भिन्न संस्कृति, संप्रदायों की प्रशंसा कर सकें।

3. भाषा की बात

* अव्यय शब्द, विभक्ति पहचान सकें।
* वाक्य भेद पहचान कर वाक्यों के प्रकार समझ सकें व वाच्य भी समझ सकें।
* काल, संधि और समास के बारे में जानकरी प्राप्त कर सकें।

SCERT TELANGANA

नवीं कक्षा - हिंदी (द्वितीय भाषा)

विषय सूची

इकाई	क्रम सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ
I	1.	जिस देश में गंगा बहती है..	गीत	जून	1
	2.	गाने वाली चिड़िया	कहानी	जुलाई	6
	3.	बदलें अपनी सोच	भाषण-लेख	जुलाई	11
	उपवाचक	तारे ज़मीं पर	समीक्षा	अगस्त	16
II	4.	प्रकृति की सीख	कविता	अगस्त	18
	5.	फुटबॉल	निबंध	सितंबर	22
	6.	बेटी के नाम पत्र	पत्र	सितंबर	26
	उपवाचक	सम्मक्का-सारक्का जातरा	निबंध	अक्तूबर	31
III	7.	मेरा जीवन	कविता	नवंबर	33
	8.	यक्ष प्रश्न	कहानी	नवंबर	37
	9.	रमज़ान	निबंध	दिसंबर	44
	उपवाचक	बुद्धिमान बालक	एकांकी	दिसंबर	49
IV	10.	अमर वाणी	कविता	जनवरी	52
	11.	सुनीता विलियम्स	साक्षात्कार	जनवरी	55
	12.	जागो ग्राहक जागो!	संवाद	फरवरी	61
	उपवाचक	अपना स्थान स्वयं बनायें	कहानी	फरवरी	66

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सहभागी गण

श्री सय्यद मतीन अहमद

समन्वयक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

श्री मुहम्मद उमर अली
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मुहम्मद सुलेमान अली 'आदिल'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री के. शिवराजन
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा

श्री के. एस. पटनायक
जनजातीय पाठशाला, आंड्रा,पार्वतीपुरम आ.प्र.

श्री एस.मोगलय्या 'सागर'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

सुश्री ऋतु भसीन
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मुहम्मद इलाउद्दीन
जेडपीएचएस जुलपल्ली, करीमनगर

डॉ. मयाना खदीरुल्ला
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती एन. हेमलता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री. बी. रमेश बाबू
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. विनीता सिंह
प्राध्यापिका, हिंदी महाविद्यालय, हैदरावाद

डॉ. अर्चना झा
प्राध्यापिका, हिंदी महाविद्यालय, हैदरावाद

चित्रांकन

श्री मोहन राज
जूनियर कॉलेज, वेलुगोंडा

श्री कुरेल्ला श्रीनिवास
जेड.पी.एच.एस. कुरमेड, नलगोंडा

श्रीमती पार्वती
हिंदू कॉलेज हाई स्कूल, गुंटूर

श्री सय्यद हश्मतुल्ला
जी.एच.एस. क़ाज़ीपेट जागीर

श्री कुरेल्ला राघवाचारी
जेड.पी.एच.एस. नकरेकल, नलगोंडा

श्री रामकृष्णा
जेड.पी.एच.एस. पिल्ललामर्री,

ले आउट & डिज़ाइन - श्री कुर्रा सुरेश बाबू, के. पावनी, आरीफ़ा सुल्ताना तेलंगाणा हिंदी अकादमी - हैदराबाद

SCERT TELANGANA